

केरल में चमगादड़ों से जुड़े मथिक

स्रोत: द द्रिष्टि

हाल ही में केरल के शोधकर्त्ताओं ने चमगादड़ वर्गीकरण (Taxonomy), ध्वनिकी (Acoustics) और जैवभूगोल (Biogeography) पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये हैं।

- **मथिक (Myth)**, अंधविश्वास और **कोवडि-19** तथा **नपिह वायरस** संक्रमण जैसी **जूनोटिक बीमारियों** ने चमगादड़ों के बारे में नकारात्मक धारणा बनाई है।
- इस परियोजना का उद्देश्य उभरती **जूनोटिक बीमारियों** और चमगादड़ों की आबादी के सामने आने वाले खतरों से निपटना है, जिसमें नविस स्थान की हानि तथा **फलों के चमगादड़ों के नविस स्थान का समाप्त होना शामिल है।**
- केरल के शोधकर्त्ता भी वर्ष 1996 से चल रहे **राष्ट्रीय चमगादड़ नगरानी कार्यक्रम (National Bat Monitoring Programme)** का समर्थन कर रहे हैं।
 - यह हमें **चमगादड़ों के संरक्षण** में सहायता के लिये आवश्यक जानकारी देता है।

चमगादड़ (Bats):

- भारत चमगादड़ों की 135 प्रजातियों का घर है। चमगादड़ **रात्रिचर (nocturnal)** प्राणी हैं।
- चमगादड़ आम तौर पर **फलों को खाते हैं, बीज फैलाव द्वारा परागण में मदद करते हैं, लेकिन कृषि को नुकसान भी पहुँचाते हैं और इसलिये उन्हें कीट (vermin) माना जाता है।**
- अवैध शिकार, माँस की खपत, पारंपरिक दवाओं में उपयोग, जलवायु परिवर्तन, **पर्यावरण प्रदूषण** और जैविक आक्रमण के कारण दुनिया भर में चमगादड़ों की आबादी में गिरावट आई है।

और पढ़ें: [आक्रामक वदेशी प्रजातियाँ](#)